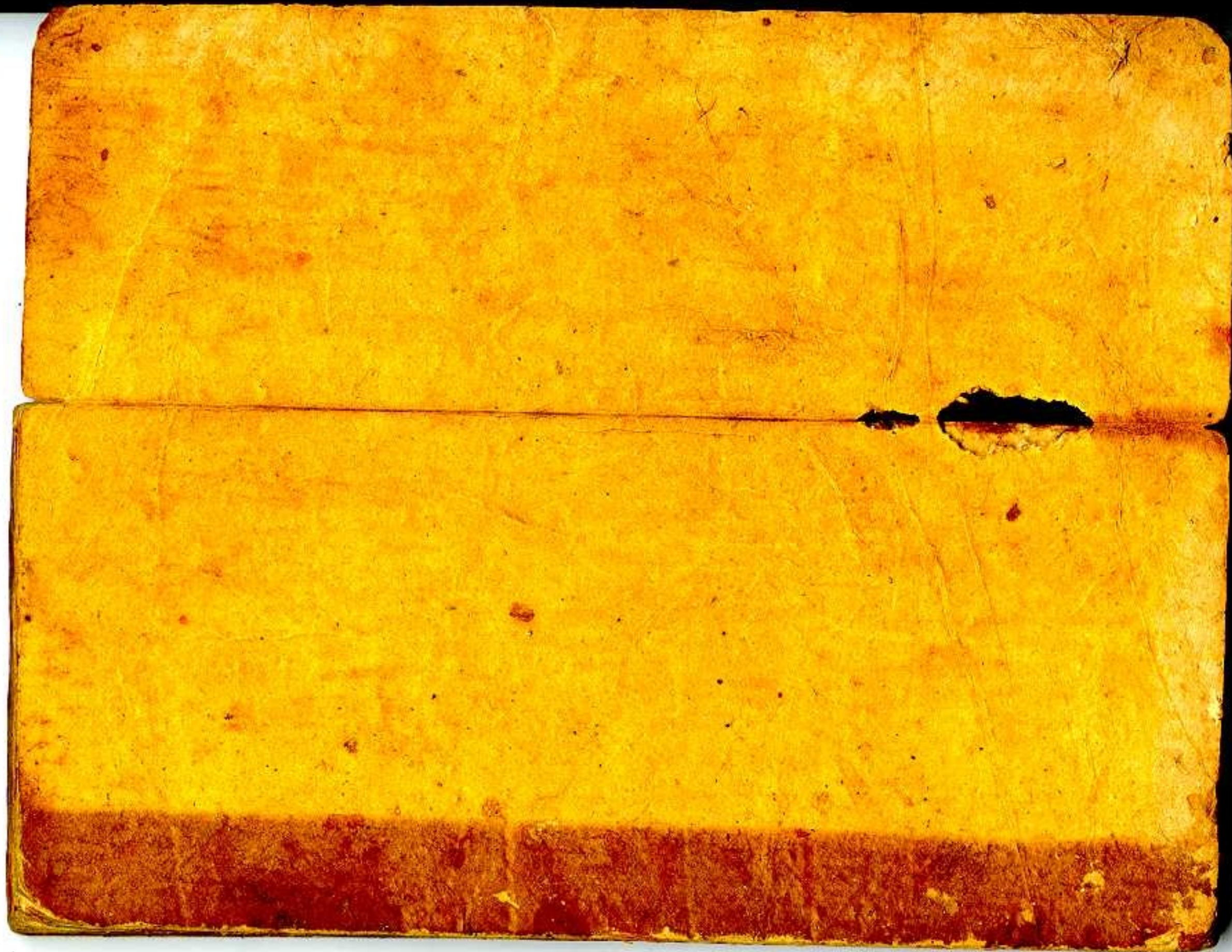


श्रीनृसिंहनाथसं०॥
श्रीनृसिंहनाथसं०॥

कृष्णसं०



ASHA ARCHIVE



१ॐ नमः श्रीनृत्यध्वनाय ॥ नताक नूतनयाविधान ॥ द्रुथ
कूद्र, सकलदलिलुसियाय ॥ खलिन सनान ॥ वसुधला
व, उकरकयाचक ॥ ॥ सन्नि, कूद्र, नृत्यध्वनयूजावदा
ववाय ॥ वासिवलदाव, नागध्वनस्क, मता, क्रीति २ वृषाग
भाल, कूयक ॥ कनूतयाय यूकासी ॥ कानूतयाय यूकासी

माल ॥ आदित्यवाली गव ॥ वृद्धस्य निवाली गव ॥ कनूषया
गया मृना कुल खवदिन माल ॥ शिठदिन शिठन दयना
वकाव माल ॥ वावाजाल दाव वावानलि यूजा द्याय ॥ आ
वार्य गुनू गायन जव खव गाल उज वायन जव खव
॥ कनूषयाग कानूषयाग ॥ धन माल हू याव यूजा द्याय

॥ ॥ कनूषयाग रुका या ॥ कृतनित्य धुर्न नादय कम
गव दव कर्त्त ॥ ॥ कनूषयाग या दय क जान ध ॥
याग यति यूजा रु १ यद्द गु क्री १ साधलियात १ ली यल
ली कूट अक्ष कूट ॥ यच वत विसख मूति चउ १ ॥ नृक
गय १ सिथ गय १ ॥ शाय खान दारुल १०८ ॥ ख छि कूर ॥

धनगिनकी खलि सुयाल वली मिया इ नसा दव या ऊव
धनय मिश्र या इलसा दव या खव सतय ॥ ॥ धूयवा
स अगुलि धीखधु नकि धील कसु वि दव दाल सिग
लास जगामास साखल धन सम साग या दाव वृज लि
मला खल दयक कबू धया इका सी कनि २ दयक

माल ॥ ॥ काल धया इका दयक ॥ यूजा इ १ रं स क
१ साय खान दारु ल १०८ ॥ अक नय १ ॥ खलि कूर ॥
गुगु वि ॥ ॥ याखन मा कजि नया दयक ॥ यक्षय
हाल यूजा जानन माल का दयक ॥ इगु क ॥ ॥ मऊ
तथं यय साऊन आदिन सनानादि ॥ यी वाय दान यूजा

॥ नागेश्वरदण्डलि. तृकर्मवाद्ययायमाल ॥ ॥ यून
 कबूषया. आनत्रादिन ॥ कबूषमन्त्रमालका. दवस्त्रयूजा
 याय. विविधार्थशुभा ॥ ॥ काबूषया. रयानक. बहान. आ
 नत्रादिन. रयानक. मन्त्रन. दवस्त्रयूजा. विविधार्थशुभा ॥
 लाकमहावलिनधूनक ॥ धूप. दीप. जाय. मुक्ति. ॥ यनर्थ

मानसुखावश

॥ ॥ धनलिकबूषविय. मालका. पाशवादाव. दव
 याक. स्वर्कनयाव. अर्घ्याशर्लखनहायाव ॥ आखनया
 थव २ स. कालनख. पाशकनक ॥ धनलि. कलूषयाश. नि
 वर्कनादि. दीपवाहनका. सु. गानार्थि. आधीर्वादि. लीसाय
 विविधार्थ ॥ धनलिखंति. सु. यालवेयाखानयाल १०८ ॥ मि
 लाहागस. चिह्ननसक्ति. कवाय. षडंगयूजा ॥ १

याग, रुकावन ॥ मिष्ठायाग, सकावन, खानयाल, थव २ गु
लि, सदादकाव, लव झाय ॥ ॥ यून, आन ॥ (६५) काका
कनू (६५) नसरु नरु तां, व्याभाद सीयादका, निर्नीता निऊ
(६५) व नानु वगता, निर्वेदकाभास वन् । यूयसाह निर्तः
विनीदितिरव, साधा द्वितीययून, दीनालाक नलादनध

वधता, निर्वेदभासात्मक ४ ॥ यं वाधिकं विंशतवर्षसंख्य
वय ४ कथार्ता गनू विविनू ४ । धूडाचयार्थ, यमदेव न
ध, वस ४ यसिद्ध ४ कनू धक वीडे ४ ॥ ॐ निष्पान ॥ ॥
खानयाल, आनकाव, कनू धयाग, गननाकयूयाव, लासा
वाव, लीख धनधस्य, नूचायन, धवया, अगस, वाद, खा

नआदाव, मालनीयदयं ॥ शुभस्य मन्त्र, यदयाव, मवूनम
इयक, नामभुयक ॥ धूयवासक, थदाव, मोननरयक ॥
सुनान, चादन, कबूनयाशया, वरुवायक मगव ॥ ॥
धनगिन, दवस्कन, लिगादयाव, आखालया, अयस, धुवि
फ, निर्जन, थायसर्वदाव ॥ ॥ मधुल, थलाव, कबूधया

शुर्वधवकंन ॥ ॥ धनलि, सासखिन, वाधिनाव, द
वन, लीखमधुल ३, थल ॥ कबूधयाययलि, क्रीतिस्व
मधुल, थल ॥ दवनयनवासनथाय, नायहाल, मधुल
यतिठ, कवासावा ३, नय, वरु, मिध, उजामका, खानन ॥
नातधवयाक, दया, आगनखान, मधुलयलिग ॥ धनिवा

कृपातय ॥ हवनवलि कृपातय ॥ हवन, सियदाय ज
वयाजवसंत ॥ खवयाखवसंत ॥ ॥ नतयूजन ॥ यु
ममसक्तानं, न्यास ॥ जलयाय ॥ नद्ययाय ॥ हनसूहि ॥
आत्मयूजा ॥ ॥ कवासनवलसन, यूजायाय ॥ मनु
॥ ॐ ह्रीं सृष्टि नवयमहासे नवाय, आधनधकि सहि

गाय, अवनन २ स्वाहा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ ह्रीं वीननयम
हासे नवाय, धर्मधकि सहिताय, अवनन २ स्वाहा ॥ वी
न ॥ ॐ ह्रीं वी कनू धनयमहासे नवाय, हानधकि सहिः
गाय अवनन २ स्वाहा ॥ कनू ॥ ॐ ह्रीं वी क्राधनयमहा
से नवाय, वेनायधकि सहिताय, अवनन २ स्वाहा ॥ क्राध ॥

ॐ हूं हं हास्य नृयमहासे नवाय नैश्वर्य षाकि सहिताय
 अवनन २ स्वादा ॥ हास्य ॥ ॐ हूं हं रुयानक नृयमहासे
 नवाय अज्ञान षाकि सहिताय अवनन २ स्वादा ॥ ॐ हूं
 वीरास नृयमहासे नवाय अवेवाग्य षाकि सहिताय अ
 वनन २ स्वादा ॥ वीरास ॥ ॐ हूं नं नृद नृयमहासे नवाय

अनेश्वर्य षाकि सहिताय अवनन २ स्वादा ॥ नृद ॥ ॐ हूं
 सीसोय नृयमहासे नवाय अषर्म षाकि सहिताय अवनन
 २ स्वादा ॥ सीसोय ॥ धन नैवलि ॥ ॥ ॐ हूं हूं नृय
 नमहासे नवाय हूं नृयलक्ष्मी षाकि सहिताय हूं नमः ॥
 विया अलि ३ ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं दयाय नमः ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं

दि मउं (मि ए सियू अ ॥ धनीवलि ॥ म्मा वा अ ॥ उर्द्ध वा अ
नृ स मूडा ॥ ॥ धना ही य दाय यूजा ॥ ॐ हूं वे व
मि स मूर्क य गालाय नमः ॥ गाल ॥ ॥ ॐ हूं न नदि मधु
लाय नमः ॥ उवखि ॥ ॥ ॐ हूं म मदा काल मधु लाय न
मः ॥ खदखि ॥ ॥ ॐ हूं न नदि म मदा काल मधु लाय

नमः ॥ मूऊ ॥ ॥ ॐ हूं कं को ण लाय मर्म न मूर्क य न
मः ॥ वदलि ॥ ॐ हूं कं कदली सिंहासन नमः ॥ कादाल
सनि ॥ ॥ ॐ हूं गं गनासन सिंहा ना दाय नमः ॥ या अ ॥ ॥
ॐ हूं स सव ध्वये नमः ॥ सीरु लि ॥ ॥ ॐ हूं म मदा का
लाय का सि दनाय नमः ॥ वादान ॥ ॥ धन या द धव २ म

न नवल्लि ॥ ॥ नृथ ध्वन मूलमनुनं षडंगनं दूजा ॥
वल्लि ॥ आवाक मूडा ॥ उडवाक नृथ मूडा दधयत् ॥
धनस मूडा य दूजा ॥ ॥ ध्वय दीय जाय सुनि ॥ संव
र्त्ता ॥ विदव ॥ काका ॥ नृथ ध्वनया ॥ वाक ॥ अमूक नाग
ध्वनय कबूट सिद्धि कामना धन अंगुलि ॥ ॥

कबूट काय या खन मा वासा नद याव सुल्लिक सन ॥ नि
वदु नादि मत रुं ता नदा सु (ग) नाथि आधा द्वाद सरुं
आवति प्रतिष्ठ याय ॥ ॥ ध्वन ध्वन दाव ताल उज्ज
आदिन लाहा नस लीखन दाय वरु न सुल्लिक वाय ॥
अक न द्वाद लन ॥ षडंग (ग) दल दूजा ॥ संय दाय ल

वक्राय ॥ ॥ धनलि. कनू. लयाय. वडुसं. स्का. नयाय ॥
कनू. लया. धनी. नथि. र्णी. ना. सयाय ॥ ॐ. कां. कां. दयाय
नमः ॥ ॐ. द्या. दि. त्र. ज. न्या. स ॥ वि. न. गो. ल. सा. ध. लय ॥
काय. न. स. या. ल. त्रया. मृ. द. न. दारु. ल. कृ. द्रु. ति. जा. दा. व. क
नू. लया. मूल. म. नु. ल. जय. नय १०८ ॥ ता. द. न. र्यं. कृ. त. कं. सि

ल. स ॥ ॥ यू. न. ४. ध. म. नु. र्नी. जय. लया. व १०८ ॥ दं. दं. यं. स.
नो ॥ ता. द. लयं. ना. ठि. का. स ॥ ॥ यू. न. ४. ध. म. नु. र्नी. जय. ल.
या. व १०८ ॥ ता. द. लयं. द. द. य. स ॥ ध. न. यू. न. दा. व. का. था. न
न. धि. न. स. ना. क. यू. य ॥ ॥ ना. ग. का. य. क ॥ ॥ या. ख. न
या. थ. व. २. स. का. न. न. ख. या. य. क. न. क ॥ ॥ ध. न. लि. यि. व

नतया, चाधुल, यूजायागवन ॥ मनु ॥ वीन ॥ कोध ॥ र
यानक तयुजयत् ॥ यून ४ कावनयायया ॥ अरुत, दा
रुनकायाव ॥ वीन, मनु न, १०८ जयनयाव, गिनस, ना
उलय, कुचक ॥ ॥ यून ४ कोध, मनु न १०८ जयनया
व, रुध, रुचक ॥ ॥ यून ४ रयानक, मनु न १०८ जय

नयाव, रुध, रुचक ॥ ॥ गगकायक ॥ कावनयाय,
द्वीदाव, थवर, सासान, रुकवियक ॥ वनसा, कुयून, ग
क ॥ मवनसा, सायूनासचक ॥ ॥ धनधूनदाव, याव
नरुयक ॥ कनूषबाकशक ॥ ॥ धनधूनदाव, मधुन
या, खानकायाव, सकलठविय ॥ ॥ मधुलवि सऊनः

याय ॥ ॥ धनलि मूलनाथ ध्वनसर्क वडाव समय
कथ ॥ रुद्रि ॥ ॥ स्नानका कायाव सकलसु विय ॥ वलि
विसर्जन ॥ साविथाय ॥ ॥ कृतिक नूत सिद्धि समाक ४ ॥ ॥
कनूत काया निर्मात्य आखालया नाथ ध्वनसर्क वाय ४ ॥
१००० नमः ४ सहस्रवारुव विमल गाधवायसूधामरुत नानृत्त ४ य
वादयात् ॥ ॥

१ समस्त ६०४ कार्तिक कथूत वमि शुक्रवाल ध्वनसर्क सैयुध
मिति ॥ लेखक कर्माचार्य नावायसन गुरुमस्तु सवेदा ॥ ॥
आखनयागगतिगयाया देवदत्तिनागुद्रुअवकि ॥
सिलापूजा ॥ तिथा ॥ किलनयायचलसिद्धि ॥
कनूतयापूजा ॥ तिथा ॥ मूलसिद्धि श्रावादया कायत्र

2575

ASIA ARCHIVES

स्वर्गका वादाया मन्त्रान् नाट्यत्रयागुरुका वक्तिर
दक्षलिङ्गायागुरु वियन्त्रान्

ॐ यैसायदलुहलाय सुर्वमसायद्रु ३ पै ३ नमः

समस्तदक्षिणावक्तिर ॥ पूरुकेयागुरुपणिया मोहनिया
दकापूजा अत्रिया ॥ पत्रसंस्तनयां मन्त्रा ॥ गभक वक्तिर
शायनया सिंहाहादकापूजा अत्रिया ॥ पूरुके सुरुमा
नञ्जाराय वाहिकन मन्त्रान् मन्त्रा ॥

१ गंगा कनूधन सनद वयूज न॥ न्यास ॥ ॐ क्रीं कं नूमा यरु
 ट ॥ ॐ क्रीं क्रीं कनिष्काय नमः ॥ ॐ क्रीं क्रीं नूनामिकाय स्वा
 हा ॥ ॐ क्रीं कं मध्याय वोषट् ॥ ॐ क्रीं क्रीं नूनाय नमः ॥
 ॐ क्रीं क्रीं श्रीगुह्याय नमः ॥ ॐ क्रीं कं नूमा यरुट् ॥ न व
 ददयादि सउं गन्यासः ॥ ॥ नमः यूज न॥ ॐ क्रीं

क्रीं

श्रीं श्रीं श्रीं कनूधन यमहारे नवाय ॥ दाग नू २ नू
 सिनयाय नूनिष्का नारव स्वाहा ॥ ॐ कनूधन
 सनद रुट् ॥ ॐ नू नू नू नू नू महारे न
 वाय श्रीं नवन सासन श्रीं कनूधन महारे नू नवा नू
 सिया श्रीं नूनिष्का नू नू नू नू नू ॥ नू ॥

(६) का ला क नू स्थ न स रु न रु ता. व्या भा रु स या द का. निर्ना
 ना नि ऊ (ग) व नानु न ग ना. निर्व द का वा रा व त. १ यू य ता रु
 नि रं वि ना किं रु व. स्वा धा दि गी य यू न. दी ना लो क न ला द न
 ध व ध ना. निर्व द मा दा ल क षा र्थ वा धि कं णि षा न व र्ष स र्वा.
 व य ४ क या नां ग नू चि चि नू ४। धू डा च या र्थ य म दे व त ध

व स ४ य सि ह ४ क नू ल क वि नू ४॥ ॐ नि आ न यू र्थ न म ४॥
 ॐ वूं वूं क नू ल मू ल य नू ल ध व म दा रो व व नू व त न
 २ वूं वूं अ मि न या र्थ वि धि क नू २ य स र्ग र व क नू
 ६ वूं वूं ल षा कि स दि ना य वूं वूं यं ३ वूं ३ वा
 सा ॥ ॐ ३ वूं ३ वूं ३ वूं वूं ॐ नि आ न व का

वैयं कबूख बूय नृथ धन आगच्छ २ उं कुं श्रुं स्वाहा ॥
वल्लि ॥ कबूख मूलमञ्जन प्रियाङ्गलि ॥ ३ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
वल्लि ॥ आवाक ॥ मूडा ॥ धन कबूख वसन ॥ ददवयज
नी ॥ ॥ ॥ गता कबूखया कावक्षया रायानक
वसनयुक्ती ॥ यास ॥ ऊँ श्री गणेशाय नमः ॥ ऊँ श्री गणेशाय नमः

सनमः॥ हूं कूं लिखायनमः॥ हूं वै कववायनमः॥ हूं को
नगायनमः॥ ऊं वृं ग्रायायनमः॥ एवमुदयादि॥ ॥
आन॥ यै वा दद्वयसुवातिजम् ४ धूडा चयसीषध नूयका
वी। कालाधिदेव ४ कथिना कवाये सुयानको सीरुयलद्ध
ऊन्मा॥ ॐ ति आन॥ ॥ ने उ मां मां सुयानक नूय नृ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ अथत्यादि ॥ मम अमूक कनूषमनु सिद्धि कामायावत्य
यथा कालं अमूकमनुस्य लक्ष्यनिमित्तं जय तदक्षं स
हाम तदक्षं स माऊन तदक्षं स वाक्कल शाऊन यूनध्वन
धनूयजयमर्हकनिष्ठा ॥ ॥

१ कनूषनिनयविधि ॥ नासिस्तनागध्वनसक यूजावन ॥
कनूषमूनधयूजायाय ॥ धूय दीय जाय लाय ॥ धननि
दक्ष रुक्मस लेखनयाव विलामन कनूषमनु यायाव
॥ नागध्वनसविलाम मनुयदयावर्द्धन ॥ यद्युगर्थन ॥ स
मयच्छाय ॥ श्वानककाय ॥ रूगिकनूषनिग ॥ ॥

१ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नित्यं नारायणं नमो हनुमन्कृद्वं
 कावनमा ॐ वृषभूयिनी नमो काविकावृयिनी नमो काव
 रोनववृयिनि नमो सीसावल्लुङ्गकी नमो सीसावमाहि न
 कनिनमा अलिरयककोवालवृयिनी नमो अतिसूधनी
 सूर्यकाय नमो नरेशाय मङ्गकनिनमा ॥ ॥ धर्म
 मङ्गकनिन ३

नयूजायाय ॥ जययाय ॥ कवनया ॥ ॥ १ॐ कार्त्तिक
 श्रीकृष्णायूजायादाव श्रीकमानयाय दवयाकवन दू
 वग्वलया वृग्वत्तदयकाव निगलाखथदाव दारुव
 हान दारुवदयकाव ग्वलयासनय यत्रिमानर्थ यूजा
 विधिदयकाव वाहानदयकाव दवयाकवन धूयदा

यदयकावयूजायाय धनिवाङ्मय धलिवा धमनीभा
वान्ननक्रसनीयसादकाय ॥ धनवादानमूहायक ध
नलि भावान दवयाक यार्थनायागक धर्मदवत्रिक
मालायाय ॥ धनलि खानक ग्वठ सकलनीहायाव
ग्वठयास्थन धनागादाउयास चाद नखन खयाल

लीखयालथय असनीनस इवियाव विस्मयमान ॥ ॥
धनलि कलिरायाव रिंद थायस सासखिन वाथलाव
क ग्वठ हायूवल वायाव भादुनिरुय धनलि वादानत
यनयाय धनसयकाय ॥ धनलि भादुना विस्मजनयायै
हाव धम मसास रुतसायाव भावागा भादुनिकन ॥ ॥

धनलि. कृथूमनयूहालक ॥ धनलि. कलूनयामहालक ॥
 ॐ नितिकनूनविधि ॥ ॥ कनूनदिचक ॥ ॐ कार्वीश्रः
 ग्मादवै नमामि. सर्ववाचना. वाहिनी. सर्वमाया. सर्वस्वै २४
 ख. इवकन. हं सगमनी २ ॥ ॥ थथयादाव. कनून
 कार्यदवस्व ॥ ॥

जय ३

१ श्रुयादि ॥ मम श्रुमूककनू धर्मं गृहिषि कामाद्यानय यथा कामेली श्रुमूकमकुसल
 कथं विमिगजय. गदधमं हं हाम. गदधमं हं गृह्येध. गदधमं हं मार्जन. गदधमं हं या क्र
 धं सोऊन. गदधमं हं कीमालिराऊन. यत्र यत्र धनं यत्र धनं हं कनिष्ठा ॥ ॥

१॥ श्रीनृसिंहाय नमः ॥ यावत्तमा स्वायक मालकायाय विधि
 ॥ दयकालन पाययति इत्युक्तं १ लं लाहाय मं लंकृत आहा
 कृत यकेन त विस्वमूर्ति गुरु १ युवाक ह १ मूकत ह १ राय
 दारु लदान १०५ धलिख कज साधनि स्वठिकाया लकृ द्वि १
 धयवास मूयु लि श्रीखलु न कि माल कसु लि दव दानू सिन
 झास जय मां स साखल ॥ धन समराग याय ॥ ॥ मऊना

धंतात नवयुजा ॥ गुयु निवत तयाव नव न समनु न नव
 नसनात नवयुजा ॥ ॥ स्वायक याव नासिचकाव धनय
 जायाय ॥ मूयु मायक ल मधन याय ॥ ॥ यास ॥ जाया द
 दय ॥ जाया निनस ॥ दंयु निखाय ॥ दंयु कव वाय ॥ जाया न
 उययाय ॥ ज ४ य ४ मूयाय ॥ उव ददयादि ॥ ॥ धन ॥ मय
 गदयय रवातिज रु ४ गदाखय रा मल मूयधानी ॥ काला धिद

व४ कथिता कवोऽपि रयानको सोरय लच्चजमा ॥ ॥ ॐ ॥ रयानक
नूयन ह्यथ न ॐ ॐ रयानक भक्ति सहिताय भूवत न २ स्वाहा ॥ धनं
वलि ॥ ॥ ॐ नमो ह्यतय नयय नय निवृत्ताय रूपाक्षय सकल नू
यि (१००) ॥ ॐ ॐ ॐ नमो नूदाय रूपाक्षय को धनय नमो ॐ
नियतंगाय सिद्धि नूदाय यति सिद्धि दहि स्वाहा ॥ रयानक मूल
मनुन ॐ ॐ १३ ॥ धनत जाय नय नय रिन कया लवह्यं दव स क

लिख सगय ॥ ॥ स्वाय कयाय दव या दव न ह्याव दवर्वा क (१०)
धन नूययाय लंखन हायाव सुनानं नाम नूय कतयाव धय २ स
या हाव दवर्वा क कमल या दव नय मूल मनुन १०० दवर्वा क या दव न मिजन
या न ह का नन मि सा या न सु का नन स्वा न या ल धव २ सु लि मू दा व कं ल
व हाय यन या खन याय स्वा न या ल आ न का व आ वा यी ह्यं माल न
या ल याव उ नू ह्यं मनु या ल याव ता स क न क य ल कं ध या स कं थ द

व. मोननदयक सुनानं ह्या हाव. या ख नया ग या न रु वा य क म न व.
 धन गिन द व स न. हि ता ह या व. अ खाल स न या व. म ह ल (थ ला व क वा
 त या व. व लि क या न द य का व. गि यां क लि द जा. म तं वि य. ध न लि ग य
 लि ह तु रु न. अ गु लि ह तु. म द न सा. म या ना ग का य. या ख न रु य क.
 ५२ म न ग सा. ना ग रु क का या व रु य क. ॥ ध न लि. ध थ य स स म य.
 वि या व. व लि वि स रु न या य ॥ ॥ थ थं द व खा व क वि धि ॥

सा ग ज्ञा स सा ख ल
 ध न क नू ध या न या

२ य जा न
 रु स क
 सा य खान दा रु न १०६
 म क ता य
 गु गु लि
 खे लि क २
 ध र्म काल न या न या

समयआलन

आन

वगामारक्य

वलियाट ३

अरुजा २

नवलियू ३०

आनधि २

वनयति २

धनयाखनकफिनन

कनूषसिद्धियाग

वस्यविधि ॥

युजाश १

यइइयुक्ती

साधनिगाट १

लीकट

आरुकाट

लीयल

आकायल

मतिग्वर १

यचनल

अकतय १

सिधुगय १

रायसानदारुल १०८

खदिक २

अरुल, धीखलु, नकि

भील, कछुलि, अवदाल

रघुनाथ ३
इन्द्र २
अहि
कलुषाका
यचयताका
शङ्खाल
अभियात २
पुष्प २
यवामृत
सामन २
लक्ष्म २
मत्त
गालका
पुष्प

ॐ श्रीवसुदेवाय नमः नमः नमः नमः २ ह्रीं ४ श्री ४ म ४ ॥ यर्थ
दत्तवाचक यातक यलय मन्त्र ॥ ॥